299 ... 5000 Rs.

fee Paid
Stamp 8000/
299
12-03-08

SALE - DEED

(1) नाम लेख्यकारिणी पति/पिता का नाम वो निवास स्थान आदि (Vendor)	अभया रानी इन्द्र पति स्व0 वैद्यनाथ इन्द्र वो पिता स्व0 गोकुल चन्द्र मोदी, जाति- मैयरा, पेशा- चास आदि, साकिन- शीलाजोड़ी, सर्कल- अमजोड़ा, थाना- रानेश्वर, सवडिवीजन वो रजिस्ट्री ऑफिस दुमका जिला- दुमका, झारखण्ड, भारतीय नागरिक।
(2) नाम क्रेता पिता का नाम वो निवास स्थान आदि (Vendee)	श्री अजय कुमार दूबे पिता ब्रह्मानन्द दूबे, जाति-ब्राह्मण पेशा- व्यवसाय, निवास स्थान- शिवपहाड़ दुमका टाउन, थाना वो सवडिवीजन वो रजिस्ट्री ऑफिस दुमका, जिला-दुमका, झारखण्ड, भारतीय नागरिक।

Ajay Kumar Dubey
26-11-18

0001110108

8000/-

5000×1 - 5000/-
3000×1 - 3000/-
कुल - 8000/-

54
6.3.08

- 8 MAR 2008

Stamp Clerk
Dumka Treasury

अभया रानी इन्द्र
12/3/08

200

246 V 3
2008

17/3/08

অভয়া রানী ইন্দ্র
12/3/08

(3) लेख्य प्रकार : - **बिक्रय-पत्र (Sale-deed)**

(4) बिक्रीत सम्पत्ति का मूल्य :-	मो० 1,98,000/- (एक लाख अन्ठानबे हजार) रूपये मात्र । मुताबिक मूल्य निर्धारण के अनुसार किंतु सम्पति बिक्रय एवं क्रय मो० 1,11,000 रुपये में ही हुआ है ।
(5) सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जिसे बिक्रय करते हैं	तफसील हक बसौड़ी अराजी परती मय कुल हक वो अधिकार आदि वॉके मौजा नया दुमका थाना नं0 07 थाना सबडिविजन वो रजिष्ट्री ऑफिस दुमका जिला दुमका तौजी नं0 06 अन्दर दुमका नगरपालिका वार्ड नं0 09 पुराना वो नया 10 बसौड़ी जमाबन्दी नम्बर 35/132 अन्दर प्लॉट नं0 406 (चार सौ छः) का अंश, रकवा- 01 कट्ठा 14¼ धूर (एक कट्ठा सवा चौदह धूर) जो बराबर $\frac{A-D}{0-2.85}$ सलाना खजाना मुताबिक रसीद, मुताबिक मानचित्र जो इस विक्रय पत्र के साथ संलग्न है एवं जो सम्पूर्ण लाल रंग से अंकित है जिसका चौहद्दी निम्न प्रकार है ।

उ0- सड़क ।

द0- क्रेता का निज ।

पू0- गौतम दे का मकान ।

प0- इसी दाग का अंश जिसे बापी दाँ क्रय कर रहे हैं ।

विदित हो कि मौजा नया दुमका टाउन के अन्तर्गत प्लॉट नं0 406 में रकवा 06 कट्ठा को लेख्यकारिणी के पिता स्व0 गोकुल चन्द्र मोदी पिता स्व0 यादव चन्द्र मोदी ने शिशिर कुमार दत्त से क्रय किये थे। जिस बिक्रय पत्र की रजिस्ट्री दुमका रजिस्ट्री ऑफिस में हुई है। जिस का पुस्तक सं0 1 जिल्द सं0 18 पृष्ट सं0 549 से 551 में निबंधित जिसकी सं0 2377 सन् 1959 ई0 है। यह कि उक्त सम्पति में से रकवा 03 कट्ठा को लेख्यकारिणी पहले बिक्रय कर चुकी हैं। अब बचा हुआ रकवा 03 कट्ठा पर लेख्यकारिणी का दखल कब्जा में निर्विघ्न वो निर्विवाद रूप से हैं एवं सम्पत्ति को बिक्रय आदि करने का हम लेख्यकारिणी को पूर्ण अधिकार प्राप्त है।

यह कि हम लेख्यकारिणी को इस समय अन्यत्र गृहादि निर्माण कराने के लिए रुपये की आवश्यकता है वो बिना जमीन बिक्रय किये रुपये का मिलना कठिन है। इसलिए उक्त खाना नं0 5 की सम्पत्ति को बिक्रय करने का निश्चय किये। हम लेख्यकारिणी के इस इरादा को जानकर क्रेता श्री अजय कुमार दूबे ने उक्त बसौड़ी सम्पत्ति को देखे एवं हम लेख्यकारिणी के धार्य मूल्य मो0 1,11,000/- एक लाख ग्यारह हजार रूपये मूल्य में क्रय करने के लिए प्रस्तुत हुई। यह मूल्य वाजिब मूल्य है एवं मूल्य निर्धारण के अनुसार है। इसलिये हम लेख्यकारिणी आज अपने खुशी राजी से प्रसन्नचित स्वस्थ मष्तिस्क की दशा में

रहकर बिना जबर दबाव वो बहकाव किसी दूसरे के उक्त क्रेता से सम्पत्ति का सम्पूर्ण मूल्य मो0 1,11,000/- एक लाख ग्यारह हजार रूपये नगदी प्राप्त कर उपर वर्णित इस दलील के खाना नं0 5 की वर्णित सम्पत्ति आप क्रेता के पास बिक्रय कर दिया तथा सम्पत्ति पर आप क्रेता को कब्जा भी करवा दिया। इस सम्पत्ति पर हम लेख्यकारिणी मय वारिसान को आज तक जिस किस्म का स्वत्व, स्वामित्व वो अधिकार प्राप्त था, अथवा जो कुछ भविष्य में प्राप्त होता, वह सब ठीक उसी प्रकार आप क्रेता को आज की तिथि से प्राप्त हो गया। अब आप क्रेता आज की तिथि से उक्त बसौड़ी सम्पत्ति के उपर काबिज वो दखलकार होकर वो रहकर पुस्त दर पुस्त भोग दखल किया करें तथा इच्छानुसार दांन बिक्रय आदि करें। इसमें हम लेख्यकारिणी मय वारिसान को भविष्य में किसी किस्म का उजुर वो आपत्ति नहीं होगा, करने से वह नाजायज होगा।

यह सम्पत्ति हरेक वारदेन से पाक साफ है, इसमें किसी प्रकार का वारदेन नहीं है, अगर भविष्य में ऐसा कुछ पाया जाय जिसके कारण आप क्रेता मय वारिसान को इस सम्पत्ति से अथवा इसके किसी अंश से बेदखल हो जाना पड़े तो वैसे हालत में हम लेख्यकारिणी मय वारिसान करने वापस कुल जरसमण मय केवाला खरचा आदि उस समय के बाजार दर के अनुसार देने के लिए बाध्य हैं वो रहेंगी। कहने का मतलब यह है कि सम्पत्ति सभी प्रकार से स्वच्छ है।

मूल्य का सम्पूर्ण रूपया क्रेता से पाया। कुछ भी बाँकी नही

रहा। भविष्य में मूल्य न पाने के बारे में उज्र वो आपत्ति करे तो वो नाजायज होगा।

अब आप क्रेता उपर वर्णित इस दलील के खाना नं0 5 में वर्णित बसौड़ी सम्पत्ति के लेकर अपना नाम से अंचल कार्यालय, दुमका में दाखिल-खारिज करवा लेंगे तथा सलाना खजाना आदि नाम से अपने दिया करेंगे तथा नगरपालिका के कार्यालय दुमका में भी अपना नाम दर्ज करवाकर नगरपालिका कर आदि नाम से अपने दिया करेंगे।

यह सब एकरार कर देकर यह बिक्रय पत्र बहक आप क्रेता श्री अजय कुमार दूबे पिता ब्रह्मानन्द दूबे, के प्रति लिख दिया जो प्रमाण रहे तथा समय पर काम आवें। इति आज तारिख - 12.03.2008 ई0।

कम्प्यूटर द्वारा टंकित किया। इस दस्तावेज की प्रथम प्रति एवं द्वितीय प्रति एक दूसरे की हू-ब-हू सच्ची प्रतिलिपि है।

मजमुन तैयार कर कम्प्युटर द्वारा टंकित कराया एवं टंकित की इई इस दलील के मजमुन को पढ़कर निष्पादिनी को सुना वो समझा दिया।
कातीब - सुमन प्र० सिन्हा डीडराईटर
सा: दुमका टाउन 12/3/08

Ajay Kumar Dubey

12-03-08

प्रमाणित किया जाता है कि इस दस्तावेज में क्रेता हस्ताक्षरित के प्रत्येक व्यक्ति के बायें हाथ के अंगुलियों का निशान मेरे द्वारा लिया गया है।
सुमन प्र० सिन्हा
12/3/08

बही संख्या I
जिल्द संख्या 09
पृष्ठ संख्या 34-35
[illegible] में निबंधित 263
निबंधन संख्या 2008
ता० 12-3-08

[illegible]
निबंधन पदाधिकारी
12/3/2008

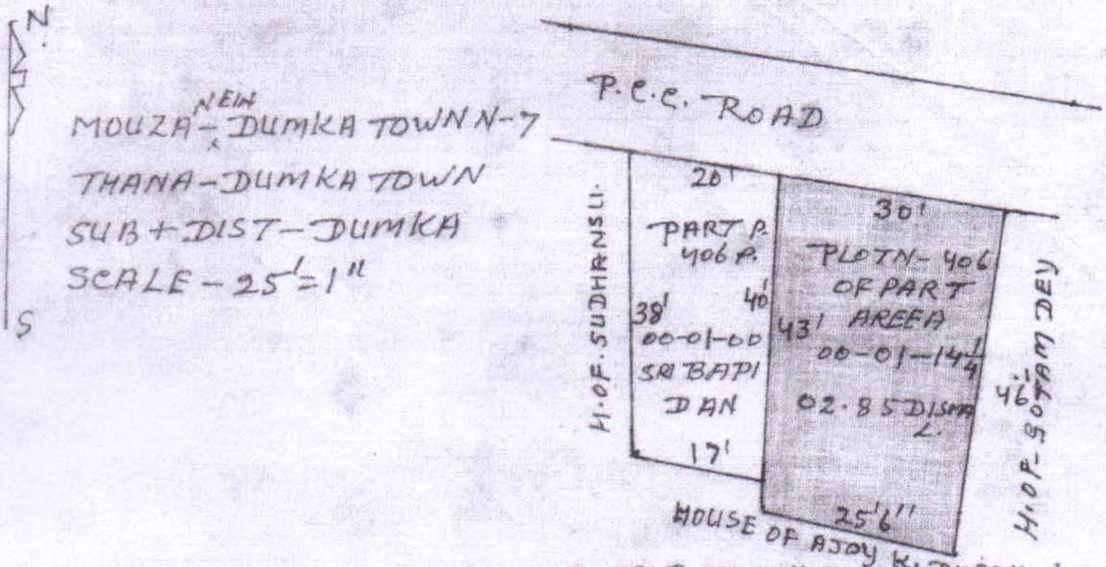

REF- LAND SOLD BY ABHAYA RANI INDRA W/O- LATE- BADHNATH INDRA. AT- DUDHANI DUMKA. P.S.- DUMKA TOWN DIST- DUMKA. JHARKHAND.

LAND SOLD MOUZA-NEW DUMKA TOWN N-7. P.S.- DUMKA TOWN. DIST- DUMKA. BASORI J.B.N-35/132 PLOT N-406 OF PART AREEA-00-01-14¼ (ONE KATHAS FORTEEN AND ONE BY FOUR DHURS) (02.85 DISMAL) LAND ONLY.

BOUNDRY- N- P.CC. ROAD
S- LAND OF AJOY KUMAR DUBEY
E- HOUSE OF- GOTAM DEY.
W- LAND OF- BAPI DAN

LAND PERCHESED BY- SRI AJOY KUMAR DUBEY S/O- SRI BRAHMA NAND DUBEY AT- SHIV PAHAR DUMKA. P.S.- DUMKA. DIST- DUMKA. "JHARKHAND"

SOLD LAND SHON IN THE MAP RED THUS-

The original plan is the true and Exact copy of the Duplicate plan.
Binod Mandal
Amin
Dumka

অভয়ারানী ইন্দ্র
২২।১।০৮